क्या दम का भरोसा यार दम आये या ना आये

की दम दा भरोसा यार, दम आवे ना आवे ।
इस जीवन दे दिन चार, दम आवे ना आवे ॥

मिटटी दे खिलोनेया वे मिटटी हो जावेंगा,
पापा दे समुदरां च मोती किवें पावेंगा ।
अज़ वक़्त है सोच विचार, दम आवे ना आवे,
इस जीवन दे दिन चार, दम आवे ना आवे ॥

माया दा तू कर ना गुमान ओए मूर्खा,
धरी रह जायेगी तेरी शान ओए मूर्खा ।
छड इस माया नाल प्यार, दम आवे ना आवे,
इस जीवन दे दिन चार, दम आवे ना आवे ॥

जिना दे लयी ठगीयां फरेब तू ए करदा,
देखीं तेरे नाल नईओ जांणा कोई घर दा ।
ना कर जीवन बेकार, दम आवे ना आवे
इस जीवन दे दिन चार, दम आवे ना आवे ॥

उस दा बुलावा जदों, 'दास' तेनु आवेगा,
नाम दा खजाना फिर कम् तेरे आवेगा ।
कुछ अपना आप सवार, दम आवे ना आवे,
इस जीवन दे दिन चार, दम आवे ना आवे ॥

कवि : अशोक शर्मा दास
स्वर : कृष्ण दास भूटानी

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/255/title/ki-dam-da-bharosa-yaar-dam-aave-naa-aave

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |